an>

Title:Need to set up a mechanism for disbursal of relief money directly to farmers for crop loss particularly in Uttar Pradesh.

डॉ. महेन्द्र नाथ पाण्डेय (चन्दौली) ः विगत रबी मौसम के दौरान पूर्वी उत्तर प्रदेश तथा उत्तर प्रदेश के अन्य हिस्सों एवं देश के कई राज्यों में अतिवृÂिट एवं चक्रवात के कारण किसानों की खड़ी फसल नÂट हो गई है जिसमें केंद्र सरकार ने पर्याप्त राहत राशि भेजी और उत्तर प्रदेश सहित अन्य राज्यों को उस राशि से अतिरिक्त आवश्यकतानुसार आपदा राहत कोÂा से वितरण करने का भरोसा भी दिया। लेकिन खेद का विÂाय है कि उत्तर प्रदेश के पूर्वी जिलों चन्दौली, वाराणसी, गाजीपुर, जौनपुर, भदोही, मिर्जापुर एवं अन्य अनेक जिलों में फसलों की क्षतिपूर्ति के लिए लेखपाल एवं राजस्व कर्मियों द्वारा आकलन के बाद भी सभी वांछित किसानों को राशि वितरित नहीं की जा सकी। उत्तर प्रदेश राज्य में इस वÂाऩ भी प्रकृति की मार से 50 जिले सूखाग्रस्त घोÂिात किये गये हैं। किसानों को फिर एक बार दोहरी मार झेलनी पड़ी।

अतः मेरा केंद्र सरकार से अनुरोध है कि केंद्र सरकार संघीय ढांचे की व्यवस्थाओं को क्षति पहुंचाये बिना नियमानुसार एक ऐसा पारदर्शी संयुक्त उपक्रम बनाये जिससे किसानों को केंद्र सरकार से भेजी गई राशि सीधे प्राप्त हो सके ताकि किसान अपनी जरूरत के मुताबिक पूरा पैसा प्राप्त कर उसे उपयोग कर सकें।